भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान

प्रो. हरिमोहन

Scanned with OKEN Scanner

वाणी प्रकाशन

4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110 002

शाखा

अशोक राजपथ, पटना 800 004

फ़ोन: +91 11 23273167 फ़ैक्स: +91 11 23275710

www.vaniprakashan.in
vaniprakashan@gmail.com

Bhartiya Evam Pashchatya Kavyashashtra Ki Pahchan
by Prof. Harimohan

ISBN : 978-81-8143-811-9
Criticism

© 2008 लेखकाधीन

आवृत्ति 2015

मूल्य : ₹ 300

इस पुस्तक के किसी भी अंश को किसी भी माध्यम में प्रयोग करने के लिए प्रकाशक से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य है।

हर्ष प्रिंटर्स, दिल्ली-110 093 में मुद्रित

वाणी प्रकाशन का लोगो मक़बूल फ़िदा हुसेन की कूची से

अनुक्रम

1.	भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा	1
2.	रस-सिद्धांत (रस संप्रदाय)	28
3.	अलंकार-सिद्धांत (अलंकार संप्रदाय)	58
4.	रीति-सिद्धांत (रीति संप्रदाय)	70
5.	ध्वनि सिद्धांत (ध्वनि संप्रदाय)	76
6.	वक्रोक्ति सिद्धांत (वक्रोक्ति संप्रदाय)	84
7.	औचित्य सिद्धांत (औचित्य संप्रदाय)	88
8.	पाश्चात्य काव्य शासत्र की परंपरा	93
9.	प्लेटो के काव्य सिद्धांत	104
10.	अरस्तू के काव्य-सिद्धांत	112
11.	लांजाइनस के काव्य सिद्धांत	118
12.	जॉन ड्राइडन के काव्य सिद्धांत	124
13.	वड्र्सवर्थ का काव्य सिद्धांत	128
14.	कॉलरिज के काव्य सिद्धांत	135
15.	मैथ्यू आर्नल्ड का काव्यचिंतन	140
16.	टी.एस. इलियट के काव्य सिद्धांत	114
17.	आई. ए. रिचड्र्स के काव्य सिद्धांत	151

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner